तीन साल में 120 गुना ज्यादा विदेशी पहुंचे बनारस घूमने

2024 में आए थे 11 करोड़ पर्यटक, काशी के पर्यटन को विश्व के मानचित्र पर मिली नई पहचान

माई सिटी रिपोर्टर

वाराणसी। बर्फ की चादर से ढके पहाड़, हर-भरे जंगलों और समुद्रों के किनारों को छोड़ सैलानी गंगा किनारे बसी शिव नगरी काशी को खूब पसंद कर रहे हैं। काशी में तीन साल में विदेशी पर्यटकों की संख्या 120 गुना तक बढ़ गई।

काशी की अच्छी कनेक्टिविटी और सुरक्षा के बेहतर माहौल ने शहर को विश्व के पर्यटन के मानचित्र पर नई पहचान दी है। साल बदला और सुविधाएं बढ़ती गईं तो बाबा विश्वनाथ की नगरी में आने वाले देशी-विदेशी पर्यटकों की संख्या में भी बेतहाशा वृद्धि हुई। 2021 में विदेशी पर्यटकों की संख्या महज 2566 थी जबकि 2024 में यह आंकड़ा 309932 (तीन लाख नौ हजार नौ सौ 32) तक पहुंच गई। 2022 में विदेशी पर्यटकों की संख्या 83 हजार 741 और 2023 में 2 लाख 01 हजार 904 पहुंच गई। 2024 में 11 करोड़ से अधिक (11 करोड़, 97 हजार, 743) पर्यटक काशी पहुंचे। 2025 में महज छह महीने में ही 12 करोड़ से अधिक (12 करोड़, 96 लाख, 86,621) लोग पहुंचे। श्री काशी विश्वनाथ धाम के लोकार्पण के बाद यहां की मूलभूत सुविधाओं में सुधार हुआ।

काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन के लिए पहुंचे लोग। अमर उजाला

साल	भारतीय पर्यटक	विदेशी पर्यटक	योग
2021	3075913	2566	3078479
2022	71147310	83741	71231051
2023	85271729	201904	85473633
2024	109787811	309932	110097743
2025	129498699	187922	129686621

(यह आंकड़े 30 जून तक के हैं)

2021 में आए थे 2566 विदेशी, छह महीने में 3 लाख से ज्यादा

संयुक्त निदेशक (पर्यटन) दिनेश कुमार ने बताया कि 2021 में काशी में देसी पर्यटकों की संख्या 30,75,913 थी। यह संख्या साढ़े तीन साल (जून 2025) में बढ़कर लगभग 13 करोड़ पहुंच गई। विदेशी सैलानियों की संख्या 2021 में महज 2566 थी, जो 2024 में बढ़कर 3,09,932 पहुंच गई। पर्यटकों की बढ़ती संख्या ने पर्यटन उद्योग को नई रफ्तार दी है। इससे रोजगार भी बढ़ा है। श्रीकाशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में राम मंदिर के लोकार्पण, विंध्याचल धाम ने पर्यटन उद्योग को नया मुकाम दिया है। महाकुंभ-2025 ने नया कीर्तिमान स्थापित कर पर्यटन उद्योग को बूस्टर डोज दिया है।